CCPS CENTER FOR CHEMICAL PROCESS SAFETY
An AIChE Industry Technology Alliance

क्रियाओं में बचाव का
आकाशदीप

http://www.aiche.org/CCPS/Publications/Beacon/index.aspx

निर्माण कार्य में लगे कर्मचारियों के लिये संदेश

CCPS के समर्थकों द्वारा प्रायोजित

आप "आकाशदीप " का उपयोग कैसे कर सकते हैं?

फ़रवरी 2008

किसी भी संस्थान में सही प्रक्रिया-सुरक्षा संस्कृति बनाये रखने के लिये एक महत्त्वपूर्ण मुद्दा होता है - संवेदनशीलता की भावना बनाये रखना । अन्य शब्दों में कहें तो हमें अपनी प्रक्रियाओं और सामान से संबंधित ख़तरों को हमेशा याद रखना चाहिये और इनका ध्यान रखना चाहिये । अगर हमारे प्रक्रिया-सुरक्षा प्रबंधन तंत्र अच्छे और कारगर हैं तो इसका एक नतीजा यह होगा कि हमारे संस्थान में कम दुर्घटनायें होंगीं । इसके कारण लापरवाही हो सकती है - हम वे कारण भूल जाते हैं जिनके लिये प्रक्रिया-सुरक्षा प्रबंधन तंत्र की सब गतिविधियां, जिनके कारण अच्छा निष्पादन व कम दुर्घटनायें होतीं हैं या दुर्घटनायें नहीं होतीं, करते हैं । इसलिये, यह महत्त्वपूर्ण है कि हम "आकाशदीप" जैसे स्त्रोतों का प्रयोग कर स्वयं को याद दिलाते रहें कि अगर हम इन गतिविधियों को न करें तो इसका क्या नतीजा हो सकता है - जैसे ख़तरों की पहचान व जोख़िम-विश्लेषण (इसमें अपने सबसे अधिक जानकार लोगों को प्रक्रिया से संबंधित ख़तरों के विश्लेषण के अध्ययन का काम देना भी शामिल है), कार्य करने की प्रक्रियाएं, परिसंपत्ति की अखंडता और विश्वसनीयता, बदलाव प्रबंधन, आपातकाल प्रबंधन, दुर्घटना अन्वेषण, लेखा परीक्षण (ऑडीटिंग) इत्यादि । जिन घटनाओं के बारे में हम चर्चा करते हैं उन सबमें इन महत्त्वपूर्ण प्रक्रिया-सुरक्षा प्रबंधन तंत्रों में से एक या अधिक का अनुपालन करने में कोई चूक हुई है ।

क्या आप जानते हैं?

•लगभग सभी घटनायें एक से अधिक चूक के कारण होतीं हैं । कुछ चूकों के कारण घटना होने से बाल-बाल बच जातीं हैं- यानि उनसे इस बार दुर्घटना नहीं हुई परंतु हो सकती थी ।

• लगभग हर महीने "आकाशदीप" को कई ऐसी ई-मेल मिलतीं हैं जिनसे जिस घटना की चर्चा की जा रही होती है उसके बारे में ऐसी अन्य शिक्षाओं के बारे में लिखा होता है जो कि सीखी जा सकतीं हैं परंतु जिनकी चर्चा आकाशदीप में नहीं की गयी है ।

• चूंकि "आकाशदीप" में स्थान का अभाव रहता है इसलिये हमें एक घटना से सीखी जा सकने वाली कई शिक्षाओं में से किसी एक को चुनना होता है और आकाशदीप को उस शिक्षा पर केंद्रित करना होता है । परंतु हमेशा अन्य शिक्षायें भी होतीं हैं ।

• जिन घटनाओं का विवरण दिया जाता है अगर उनके बारे में जानकारी आसानी से मिल सकती है तो यथासंभव, हम" आकाशदीप "के साथ भेजी जा रही ई-मेल में उसका संदर्भ ज़रूर देंगे |

आप क्या कर सकते हैं ?

•अच्छा - आकाशदीप को ऐसी जगहों पर लगायें जहाँ कर्मचारी इसे देख व पढ़ सकें - उदाहरण के लिये बुलेटिन बोर्ड, लॉकर कक्ष, दोपहर का खाना खाने के कक्ष (कैंटीन), नियंत्रण कक्ष, गेट हाउस ।

• बेहतर - आकाशदीप को सुरक्षा बैठकों या ऑपरेटरों व अन्य कर्मचारियों के साथ अन्य सुरक्षा संबंधी चर्चाओं का आधार बनायें ।

• और बेहतर - ऐसी अतिरिक्त जानकारी विकसित करें जो आकाशदीप के विषय को आपके अपने प्लाँट की क्रियाओं से जोड़े । इसमें आपकी कंपनी में होने वाली इससे मिलती-जुलती उन दुर्घटनाओं से जोड़े जो हुई थीं या होते-होते रह गयीं थीं । फिर इस जानकारी के बारे में कर्मचारियों से चर्चा करें ।

• बेहतरीन - युनिट या प्लाँट प्रबंधन आकाशदीप के संबंध में कर्मचारियों के साथ होने वाली चर्चा की अगुवाई करता है और उन्हें इसमें जिस घटना के बारे में जानकारी दी गयी है उससे आकाशदीप में बतायी गयी शिक्षाओं के अतिरिक्त अन्य शिक्षायें ढूंढने के लिये प्रेरित करता है । प्लाँट सुरक्षा समितियों को अपने काम में आकाशदीप का उपयोग करने के लिये प्रेरित करें ।

दूसरों के अनुभव से सीखें!

AIChE © 2008, सर्वाधिकार सुरक्षित । अव्यवसायिक व शिक्षा संबंधी कार्य के लिए पुनः जारी करने को बढ़ावा दिया जाता है । तथापि CCPS के अलावा किसी अन्य संस्था या व्यक्ति द्वारा बिक्री के लिए पुनः छापने पर प्रतिबंध है । हमसे संपर्क करें :ccps_beacon@aiche.org या 212-591-73-9

सामान्यतयाः आकाशदीप अरबी, चीनी, डैनिश, डच, अंग्रेज़ी, फ़्राँसीसी, जर्मन, गुजराती, हीब्रू, हिंदी, हंगेरियन, इतालवी, जापानी, कोरियन, मलय, मराठी, फ़ारसी, पुर्तगाली, रूसी, स्पैनिश, स्वीडिश और थाई भाषाओं में उपलब्ध है ।

This document has been translated with the help of Chilworth Safety & Risk Management P. Ltd., India:www.chilworth.co.in